अचानकमार टाइगर रिज़र्व

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

अचानकमार टाइगर रिज़र्व (छत्तीसगढ़) में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो वर्ष 2022 में 5 से बढ़कर वर्ष 2025 में 18 हो गई है, जिसका मुख्य कारण **बांधवगढ़ (मध्य प्रदेश)** से बाघिन **झुमरी** का आगमन और संरक्षण प्रयासों में वृद्धि है।

- **परिचय:** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित **अचानकमार टाइगर रिज़र्व (ATR)** की स्थापना **वर्ष 1975 में** एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में की गई थी और वर्ष 2009 में यह एक बाघ अभयारण्य बन गया। यह **अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फीयर रिज़र्व** का हिस्सा है।
  - यह रिज़र्व **कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व** को जोड़ने वाला एक महत्त्वपूर्ण गलियारा है, जो बाघों की आवाजाही को संभव बनाता है तथा आनुवंशिक विविधता को बनाए रखता है।
- **जनजातीय समुदाय:** ATR **बैगा (PVTG), गोंड और यादव समुदायों** का क्षेत्र है।
- **नदी एवं जल संसाधन:** इस अभ्यारण्य से होकर बहने वाली **मनियारी नदी** इसकी जीवन रेखा कही जाती है। यह **महानदी बेसिन** की शिवनाथ नदी में मिल जाती है।
- **वनस्पति: उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वनों** से युक्त इस अभ्यारण्य में **साल, साजा, तिनिसा, बीजा, हल्दू, सागौन, धावरा, लेंडिया, खमार और बाँस** पाए जाते हैं।
- **जीव-जंतु:** वन्यजीवों में **बाघ, तेंदुआ, वन्य कुत्ता, लकड़बग्घा, बाइसन, चिंकारा, सांभर, चीतल, उड़ने वाली गिलहरी/फ्लाइंग स्क्विरल** आदि शामिल हैं।

और पढ़ें: [बाघों का अंतर-राज्यीय स्थानांतरण]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/achanakmar-tiger-reserve-1